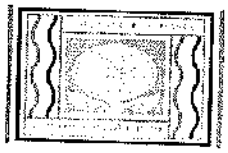

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एवं
माधव गणित केंद्रम, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली
!! समझौता ज्ञापन!!

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के माधव गणित केंद्रम ने **''भारतीय ज्ञान परम्परा अध्ययन, शोध एवं प्रचार-प्रसार''** को बढ़ावा देने के लिए सतत सहयोग प्रदान करने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

अनुच्छेद-1

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और माधव गणित केंद्रम, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली निम्नलिखित क्षेत्रों में सहयोग प्रदान हेतु सहमत है:-

- व्याख्यान श्रृंखला: भारतीय गणित, वैदिक गणित, केरलीय गणित सरणि, भारतीय खगोल शास्त्रीय परंपराएं तथा विभिन्न भारतीय भाषाओं में अन्य भारतीय ज्ञान प्रणाली के क्षेत्रों में अकादमिक आदान-प्रदान।
- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायर, परिसर तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली एवं माधव गणित केंद्रम के पुस्तकालय एवं सुविधाओं और पांडुलिपि संसाधनों तक पहुंच सुनिश्चित करना।
- भारतीय गणित में अनुसंधानकर्ताओं और विशेषज्ञों का आपसी आदान-प्रदान।
- संबद्ध अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन।
- अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक संगोष्ठी या संवाद (राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और अन्य), कार्यशाला और परिसंवाद का आयोजन।
- संयुक्त रूप से स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करना। शिक्षकों के सशक्तिकरण और ओरिएंटेशन प्रोगाम या अनुकूलन कार्यक्रमों सहित कार्यक्रमों का विस्तार।
- लिखित प्रकाशनों और शिक्षण सामग्रियों का नियमित आदान-प्रदान।

अनुच्छेद-2

किसी परियोजना को तभी शुरू किया जा सकता है जब उस परियोजना के लिए वित्तपोषण सुनिश्चित हो गया हो। इस समझौते के माध्यम से दोनों पक्षों में से किसी पर भी परियोजना के लिए कोई वित्तीय उत्तरदायित्व नहीं होगा, जब तक कि दोनों पक्षों ने उस समझौते पर आपसी सहमति न दी हो।

अनुच्छेद-3

दोनों पक्षों द्वारा परियोजना या कार्यक्रम के आधार पर विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और स्रोत व्यक्तियों के आदान-प्रदान की विस्तृत जानकारी का निर्धारण सुनिश्चित किया जाएगा। दोनों पक्ष अपने अतिथियों को प्रवास के दौरान अपने सहभागी संगठन की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान करने की घोषणा करेंगे।

अनुच्छेद-4

इस समझौता पर जिस दिन की तिथि में हस्ताक्षर किए जाएंगे, उस दिन की तिथि से प्रभावी माना जाएगा। यह समझौता पांच वर्ष की अवधि तक रहेगा। तदुपरांत, यह अधिक से अधिक पांच वर्ष की अवधि के लिए स्वयं विस्तारित हो जाएगा। जब तक कोई भी पक्ष समाप्ति की तिथि से कम से कम एक वर्ष पहले अनुबंध को समाप्त करने की लिखित सूचना न दे। कोई भी पक्ष इस समझौता को समाप्त कर सकता है, लेकिन उसे कम से कम छह माह पूर्व इसकी सूचना देनी होगी। समापन अवधि के पूर्ण होने से पूर्व संचालित परियोजनाओं और आदान-प्रदान की गतिविधियों को पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और माधव गणित केंद्रम केरल, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली अपने सर्वोत्तम ज्ञान और क्षमता के अनुसार इस समझौते को कार्यान्वित करेंगे।

अनुच्छेद-5

इस समझौता ज्ञापन के नियमित समन्वय और क्रियात्मकता के लिए प्रतिनिधि निम्नानुसार होंगे:- (क) केंद्रीय संस्कृत विश्वविश्वविद्यालय (सीएसयू), नई दिल्ली का प्रतिनिधित्व निदेशक, के. सं. वि., गुरुवायूर परिसर, केरला द्वारा किया जायेगा।

(ख) माधव गणित केंद्रम, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली का प्रतिनिधित्व निदेशक, माधव गणित केन्द्रम, दिल्ली द्वारा किया जाएगा।

मध्यस्थ निर्णायक :-

एम 7.1 पक्षों के बीच किसी विवाद या मतभेद होने की स्थिति में ऐसे मतभेदों को आपसी परामर्श द्वारा सौहादपूर्ण ढंग से सुलझाया जाएगा। यदि इस प्रकार से मतभेदों का समाधान नहीं हो पाता है, तो इसे मध्यस्थता के लिए तीन मध्यस्थकर्ताओं के पास भेजा जाएगा। जिसमें हर पक्ष द्वारा एक मध्यस्थकर्ता को नियुक्त किया जाएगा। दोनों मध्यस्थकर्ता आपसी सहमति से तीसरे मध्यस्थ (निर्णायक) की नियुक्ति करेंगे, जो कि कार्रवाई की अध्यक्षता करेगा। उपरोक्त मध्यस्थकर्ताओं का निर्णय अंतिम होगा तथा दोनों पक्षों के लिए उस निर्णय को मानना अनिवार्य होगा।

स्थान : हस्ताक्षर की तिथि :	स्थान: हस्ताक्षर की तिथि :
केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की तरफ से :	माधव गणित केंद्रम, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली की तरफ से
 14/8/24 प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी कुलपति	 डॉ. अतुल कोठारी राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
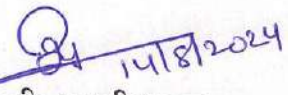 14/8/2024 प्रो. आर. जी. मुरली कृष्ण कुलसचिव (प्रभारी), केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, 56–57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी नई दिल्ली-110058	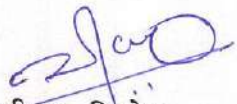 श्री ए. विनोद निदेशक, माधव गणित केन्द्रम शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
सम्पर्क सूत्र: केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय 56–57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी नई दिल्ली-110058 वेब सम्पर्क :**www.sanskrit.nic.in**	सम्पर्क सूत्र शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास सरस्वती बाल मंदिर, जी ब्लॉक, नारायणा विहार नई दिल्ली-110028 वेब सम्पर्क:- **www.bharatiyashiksha.com**

Memorandum of Understanding

between

Central Sanskrit University, New Delhi

And

Madhava Ganita Kendram of Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, New Delhi

Memorandum of Understanding (MoU)

Executed on

Dated 14, August 2024

Memorandum of Understanding

between the

Central Sanskrit University, Delhi

and

Madhava Ganita Kendram of Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, New Delhi

As part of a constant endeavor to promote mutual understanding and international scientific research, an agreement is hereby entered into on cooperation between Central Sanskrit University, New Delhi and Madhava Ganita Kendram of Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, New Delhi.

1. Scope of MoU

Central Sanskrit University, New Delhi and Madhava Ganita Kendram of Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, New Delhi agree to cooperate in the following fields:

- Academic exchange in the areas of lecture series, Bharateeya Mathematics, Vedic Mathematics, Kerala school of Mathematics, Bharateeya traditions of Astronomy and other Bharatheeya Knowledge system in different Bharateeya languages

- Mutual/ Reciprocal access to library facilities and manuscript resources of the Library, Central Sanskrit University, Guruvayoor campus and Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, New Delhi and resources of Madhava Ganita Kendram

- Exchange of Researchers and Experts in Bharateeya Mathematics

- Conducting joint research projects

- Organisation of International Colloquium, Seminar (National And International And Other), Workshop And Symposium

- Jointly conducting Academic programs at Undergraduate, Post Graduate levels, Diploma and Certificate courses. Extension program including teachers' empowerment and orientation programs

- Regular exchange of documentary publications and teaching materials.

2. General Matters

This MOU is an expression of intent and a path-breaker of both the Parties. However, projects/activities involving financial/physical implications will be discussed and decided on project to project basis. A project may only be taken up once its funding has been secured. No financial obligations result from this agreement for either of the two parties unless mutual consent has been given.

- The details of exchange of students, researchers and Resource persons shall be determined by both the parties on a project or program basis. Both parties declare their willingness to give their guests from the partners organization in every possible support during their stay.

3. Duration & Termination

The agreement will come into effect from the date of most recent signature and is entered into for a period of 5 years. Thereafter it shall be automatically extended for an additional period of 5 years unless either party provides written notice to terminate the agreement a minimum of one year prior to the date of expiry. Either party may terminate the cooperation provided that notice is given at least six months in advance. Ongoing projects and exchanges may be completed before a termination becomes valid. Central Sanskrit University, New Delhi and Madhava Ganita Kendram of Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, New Delhi shall execute this agreement to the best of their knowledge and ability.

4. Representation

Representatives for regular co-ordination and functionality of this MoU shall be as under:

a. Central Sanskrit University (CSU), New Delhi will be represented by its Director, C.S.U., Guruvayoor Campus, Puranattukara, Thrissur, Kerala

AND

b. Madhava Ganita Kendram of Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, New Delhi will be represented by its Director.

5. ARBITRATION:

In the event of any dispute or differences between the parties hitherto, such differences shall be resolved amicably by mutual consultation. Where it could not be resolved so, then it shall be referred to arbitration of three arbitrators, one to be

appointed by each of the parties. The two arbitrators shall appoint the Third Arbitrator (Umpire) mutually who shall preside over the proceedings. The decision of the said arbitrators shall be final and binding on both the parties. The Cost of Arbitration will be met by both parties on sharing basis if both parties consent to it or as decided by the Arbitration on the basis of merits.

Place: New Delhi

Date of signing: 14.8.2024

On behalf of Central Sanskrit University:

14/8/24

Prof. Shrinivasa Varakhedi
Vice Chancellor

14/8/2024

Prof. R.G. Murali Krishna
Registrar (I/c.),
Central Sanskrit University,
56-57, Institutional Area, Janakpuri,
New Delhi-110058

Postal Address:
Central Sanskrit University,
56-57, Institutional Area, Janakpuri,
New Delhi-58
Web Address: www.sanskrit.nic.in

Place: New Delhi

Date of signing: 14.08.2024

On behalf of Madhava Ganita Kendram of Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, New Delhi

Dr. Atul Kothari
National Secretary, Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, New Delhi

Shri. A. Vinod
Samyojak,
Shiksha Sanskriti Utthan Nyas,
New Delhi

Postal Address:
Shiksha Sanskriti Utthan Nyas,
Saraswati Balamandir, Pocket 2,
Block G, Naraina Vihar, Naraina,
New Delhi - 28
Web Address:
https://shikshautthan.org/